आचार्य
श्री नरेंद्र मोदी
ACHARYA (CHANCELLOR)
SHRI NARENDRA MODI
उपाचार्य
प्रो. विद्युत चक्रवर्ती
UPACHARYA (VICE-CHANCELLOR)
PROF. BIDYUT CHAKRABARTY

विश्वभारती
VISVA-BHARATI

(Established by the Parliament of India under
Visva-Bharati Act XXIX of 1951
Vide Notification No. : 40-S/50 G.3 Dt. 14 May, 1951)

संस्थापक
रवीन्द्रनाथ ठाकुर
FOUNDED BY
RABINDRANATH TAGORE

शांतिनिकेतन - 731235
SANTINIKETAN - 731235
जि.बीरभूम, पश्चिम बंगाल, भारत
DIST. BIRBHUM, WEST BENGAL, INDIA
फोन Tel: +91-3463-262 451/261 531
फैक्स Fax: +91-3463-262 672
ई-मेल E-mail: vice-chancellor@visva-bharati.ac.in
Website: www.visva-bharati.ac.in

W. /No._____

दिनांक/Date._____

संख्या

दिनांक :10 अप्रैल,2020

सेवा में
विश्वभारती परिवार के समस्त सदस्य !

ज्ञात है कि आज हम सभी एक वैश्विक संकट से गुजर रहे हैं। इस समय हमें व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामुदायिक स्तर पर एकजुट होकर इसका सामना करने की आवश्यकता है । इस पत्र के माध्यम से मैं विश्वभारती परिवार के प्रत्येक सदस्य को इस आपदा की घड़ी में उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं विशेष रूप से हमारे डॉक्टरों, पैरामेडिक्स, सफाई कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मचारियों को उनके क्षेत्र में अथक परिश्रम के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं। हमारे शिक्षण और प्रशासनिक कर्मचारियों ने मूल रूप से ऑनलाइन काम करने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है, जिससे हमारे छात्र अब अभ्यस्त हो रहे हैं। विश्वभारती की कोविद - 19 के रोकथाम के विरुद्ध ऐसी सामूहिक भूमिका एक मिसाल है,इसका श्रेय इन समूहों को वैश्विक महामारी के विरुद्ध एकजुट होकर तेजी से कार्य करने के लिए जाता है। चूँकि हम इस देशव्यापी 'लॉकडॉउन' का समर्थन करते हुए रह हैं, मैं विश्वभारती परिवार को निरापद रहने के लिए सामाजिक दूरत्व बनाए रखने का आग्रह करता हूँ साथ ही हमारे निकटवर्ती ग्रामीणों ,दुर्बल व कम सुरक्षित सदस्यों को यथायोग्य सहायता पहुंचाएं। मैं यह भी अनुरोध करता हूं कि अपने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए गलत समाचारों,अराजक तत्वों एवं गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर कहते हैं

'मुक्त कोरो भय,आपना माझे शोक्ति धोरो,निजेरे कोरो जय'
(মুক্ত করো ভয়, আপনা-মাঝে শক্তি ধরো, নিজেরে করো জয়।)

—अर्थात भय से मुक्त होओ, अपनी आत्मशक्ति से खुद पर विजय करो।
हम सब साथ हैं, और साथ मिलकर विजय प्राप्त करेंगे।

बिद्युत चक्रवर्ती

बिद्युत चक्रबर्ती
कुलपति
विश्वभारती
शांतिनिकेतन
पश्चिम बंगाल - 731235